देश की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के बाद भारत के स्वर्णिम भविष्य को उजागर करने वाले अमृत काल में मजबूत भारत की तैयारी के लिए अखिल भारतीय अभ्यास वर्ग

राष्ट्रीय अमृत काल अखिल भारतीय अभ्यास वर्ग 08-11 जून 2023, प्यूप्ल्स मॉल, भोपाल, मध्य प्रदेश

समापन समारोह 11 जून 2023

पिछले बीस वर्षों से मुस्लिम राष्ट्रीय मंच मुसलसल देश और समाज की आवश्यकता के अनुसार हिन्दुस्तान के लगभग सभी सूबों में निरंतर सरगरम है। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने जिस भी काम को अपने हाथ में लिया उसे परिणाम देकर ही पूरा किया, चाहे वह नाइल्मी, गुरबत, बीमारी या आपसी मतभेद के विरूद्ध आपसी सौहार्द को बढाने वाले मामलात हों या भारत देश को और मजबूत करने के लिए धारा 370, 35 ए, के विरूद्ध जनजागरण के विषय हों, गैर इस्लामी और गैर इंसानियत वाली एक साथ तीन तलाक के विरुद्ध माहौल बनाना हो या फिर रोजमर्रा के जीवन में आने वाली सामूहिक चुनौतियों को हल करना हो, सभी मामलात में मुस्लिम राष्ट्रीय मंच का कार्यकर्ता खरा उतरा है। इसी कडी में भारत के आज़ादी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर अमृत महोत्सव के बाद स्वर्णिम अमृत काल में पुरसुकून मजबूत भारत का घटक नागरिक बनाने के लिए मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने 08 जून से 11 जून 2023 तक अखिल भारतीय अभ्यास वर्ग का आयोजन किया गया।

इस अभ्यास वर्ग में कुल 14 सत्रों का आयोजन किया गया। जिसमें 42 वक्ताओं ने विभिन्न विषयों पर अपने व्याख्यान दिए। अभ्यास की दिनचर्या और सत्रों का विवरण निम्नानुसार है-

1. प्रथम दिन का उद्धाटन सत्र भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित करने के साथ ही तिलावते कुरान और गीत द्वारा किया गया।
2. प्रथम दिन के उद्धघाटन सत्र में माननीय इंद्रेश कुमार जी ने भारत विभाजन की विभीषिका पर व्याख्यान देते हुए मुस्लिम लीग को विभाजन के लिए जिम्मेदार ठहराया और मंच से इसके निमित्त प्रस्ताव पारित किया गया।
3. दूसरे दिन प्रातः 5.30 बजे समस्त कार्यकर्ताओं ने अबु बकर नकवी जी के नेतृत्व में योग, व्यायाम और खेल के साथ साथ मैदान के इनर सर्कल पर दौडते हुए अपने स्वस्थ होने के गुणों को सीखा।
4. दूसरे दिन के प्रथम सत्र में सभी राष्ट्रीय संयोजकों का और प्रांत संयोजकों का परिचय लिया गया गया इस सत्र में माननीय इंद्रेश जी के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्रीय संपर्क प्रमुख माननीय रामलाल जी एवं प्रो, शाहिद अख्तर, डा माजिद तालिकोटी, रेशमा हुसैन सभी राष्ट्रीय संयोजक मुस्लिम राष्ट्रीय मंच आदि मंच पर मौजूद थे।
5. दूसरे दिन के प्रथम सत्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्रीय संपर्क प्रमुख माननीय रामलाल जी ने मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के गठन के दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला।
6. दूसरे दिन के दूसरे सत्र में जनसंख्या समाधान इस्लामिक दृष्टिकोण से विषय पर प्रवीण गुगनानी एडवोकेट सिराज कुरैशी जी का व्याख्यान हुआ। दोनों वक्ताओं ने देश के समक्ष जनसंख्या के बढते स्वरूप को लेकर चिंता व्यक्त की साथ ही जनसंख्या नियंत्रण और इस्लामिक दृष्टिकोण से परिवार नियोजन के विभिन्न उपायों पर चर्चा की। इस सत्र की चर्चा में मंच पर माननीय गृह मंत्री म, प्र. शासन श्री नरोत्तम मिश्रा का भी सानिध्य प्राप्त हुआ।

7. दूसरे दिन के तीसरे सत्र में अमृतकाल में युवाओं की भूमिका और इस्लाम में गाय के महत्व पर चर्चा की गई। अमृतकाल में युवाओं की भूमिका पर प्रो, इब्राहिस डीएसडव्ल्यू जामिया ने अपने व्याख्यान में युवाओं के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजानाओं के संदर्भ में बात करते हुए सरकार का ध्यान आकर्षण करने की बात कही। वहीं इस्लाम में गाय के महत्तव पर बात करते हुए श्री फैज खान ने गाय के मांस खाना हराम बताया। साथ ही साथ गाय और गाय से प्राप्त होने वाले पेय पदार्थों से बने उत्पादों के सेवन से होने वाले फायदें और रोगों से लडने की उनकी क्षमता के वैज्ञानिक तथ्यों से अवगत कराया।
8. तीसरे दिन के प्रथम सत्र में विषय एक देश एक कानून पर विद्वानों के व्याख्यान आयोजित किए गए। इस विषय पर विशेषज्ञ डॉ तसलीम पटेल और डा भहरूल इस्लाम और मजहर आसिफ ने देश के लिए एक समान कानून और नागरिक संहिता के पक्ष में अपने विचार वयक्त किए।
9. तीसरे दिन के दूसरे सत्र में विषय इंटरफेथ डायलॉग विषय पर प्रो. ख्वाजा इफ्तिकार और प्रो. महरूख इफ्खार ने अपने विचार व्यक्त किए।
10. तीसरे दिन के तीसरे सत्र में विषय योग की महत्ता विषय पर डॉ राफिया नाज और ड़ा इमरान चौधरी ने अपने विचार वयक्त करने हुए इस्लाम में मौजूद कई पहलुओं और योग के क्रियाओं के बीच समानता पर गहरा प्रकाश डालाष
11. तीसरे दिन के चौथे सत्र में विषय राष्ट्रीय परिपेक्ष्य में भारतीय मुसलमान पर माननीयगिरीस जुआल जी, प्रो. शाहिद अख्तर और माननीय विराज पोचपोर जी ने अपने विचार वयक्त किए।
12. तीसरे दिन के पांचवे सत्र में पर्यावरण विषय पर डॉ इम्तियाज अली और डॉ माजिद तालिकोटी ने अपने विचार वयक्त किए। तथा भोपाल में इलैक्ट्रानिक कचडे के निस्तारन में उठाए जाने वाले कदमों के बारे में अवगत कराया।
13. तीसरे दिन के अंतिम सत्र में जुडों अपन जडों से विषय पर श्रीमति शालिनी अली और प्रो, रिजवान भारतीय प्राचीन संस्कृति और पुरातन विवाह परंपराओं के आधार पर प्रत्येक हिन्दुतस्तानी मुसलमानों को अपनी जड़ो के संदर्भ में बात की।
14. तीसरे सत्र के समापन के दौरान माननीय इंद्रेश जी भाईसाब ने अभ्यास वर्ग की महत्वपूर्ण बातों का ध्यान कराया।
15. अभ्यास वर्ग के तीनों दिन अंतिम सत्रों के बाद कार्यकर्ताओं और बाहर से आए कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
16. अंतिम दिन प्रख्यात बांसुरी वादक मुस्तबा हुसैन जी द्वारा बांसुरी वादन का कार्यक्रम प्रस्तुत हुआ। जिसमें समस्त कार्यकर्ताओं ने भक्ति सागर में डुबकी लगाई।